(1) उ0 भा0

B.A. + B.Sc.
Part I
Hindi रचना

डॉ0 अनन्त कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
एस0 एस0 कॉलेज,
जहानाबाद

कविता कानन, रसखान

प्रश्न:— प्रस्तुत पंक्तियों की व्याख्या करें।

कान्ह भए बस बाँसुरी के
अब कौन सखी हमको चहिहै।
निसि द्यौस रहै सँग साथ लगी
यह सौतिन तापन क्यों सहिहै॥
जिन मोहि लियो मनमोहन को
रसखानि सदा हमको दहिहै।
मिलि आओ सबै सखी भागि चलैं
अब तो ब्रज में बँसुरी रहिहै॥

उत्तर:— प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक कविता कानन से ली गई हैं। इसके कवि कृष्ण भक्ति शाखा के प्रधान कवि रसखान हैं।

प्रस्तुत पंक्तियों का कहना यह है कि कृष्ण के हमेशा बाँसुरी बजाने में रत रहने के कारण गोपियाँ काफी व्याकुल हो उठती हैं क्योंकि गोपियों को कृष्ण से प्रेम करने का अवसर नहीं मिल पाता है। प्रस्तुत पंक्तियों में गोपियों के अन्तर्मन भाव का वर्णन है। कृष्ण हमेशा बाँसुरी बजाने में तल्लीन रहते हैं। कृष्ण की यह तल्लीनता गोपियों को खटकती है।

 क्रमशः

OCT 2014
S M T W T F S
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31

(2) अर्थग्रहण प्रश्न

कि-8-1 प्र.क.

Hindi ... Part 1

विशेष:

OCTOBER

सं० उद्धृत

08

41st Week • 281 Day

WEDNESDAY

व्याख्या:

गोपियाँ कृष्ण के प्रेम में इतनी डूबी हैं कि बाँसुरी को सौतन मान गोपियों के लिये ईर्ष्या का विषय हो जाती है। बाँसुरी को गोपियाँ सौतन की तरह देखती हुई कहती हैं कि कृष्ण उनका इसलिए बाँसुरी के साथ रहते हैं वह मुझे किसी रूप को ... है। उनका इसे बाहरी कारण कोई नहीं है।

बाँसुरी हमेशा कृष्ण के साथ रहती है। कृष्ण उसे हमेशा अपने अधरों पर धारण किये रहते हैं। गोपियाँ बाँसुरी को हमेशा कृष्ण के साथ रहने के कारण उसे सौतन के रूप में देखती हुई कहती हैं कि उस सौतन का साथ हमसे सहा नहीं जाता है।

कृष्ण हमारे थे। वे हमेशा मेरे साथ रहते थे पर उस बाँसुरी ने ही कृष्ण को मोह कर अपना बना लिया है। इसी से मैं विरह की ज्वाला में जल रही हूँ। कृष्ण मुझको छोड़कर बाँसुरी के साथ रहें यह मुझे कितनी असह्य है।

गोपियाँ इतनी दुःखी हैं कि वह अपनी सखियों के साथ ब्रज से जाना चाहती हैं। क्योंकि वहाँ कृष्ण के साथ उनकी सौतन बाँसुरी रहती है। अपनी सौतन बाँसुरी के साथ गोपियों को ब्रज में रहना कभी भी मंजूर नहीं है। प्रस्तुत पद में गोपियाँ कहती हैं कि बाँसुरी के प्रति कृष्ण का प्रेम उनसे अधिक है। अतः बाँसुरी के साथ होते हुए कृष्ण के साथ मेरा ब्रज में रहना स्वीकार नहीं है।

विशेष: —

Anything unattempted remains impossible.